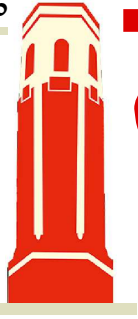


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 254
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हरदा, हरिद्वार और वो ?

◆ हरिद्वार की जमीन से 2027 के समीकरण साधने में जुटे पूर्व सीएम हरदा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज होने के साथ ही पुराने समीकरण भी करवट लेते दिखाई दे रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की अचानक बढ़ी सक्रियता ने पार्टी के भीतर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। बीमारी से उबरने के बाद रावत लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं

- ◆ 2027 से पहले नेतृत्व व संगठन के बीच फिर दिल्ली कांग्रेस में खींचतान
- ◆ जनसंवाद यात्रा पर सैलजा की आपत्ति के बाद वेणुगोपाल का बुलावा

और हरिद्वार में धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा के जरिए अपने पुराने राजनीतिक आधार को फिर सक्रिय करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा की ओर से उनकी यात्रा पर आपत्ति और फिर पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से उन्हें दिल्ली बुलाए जाने से कांग्रेस के भीतर नेतृत्व, संगठन और वरिष्ठ नेताओं की भूमिका का सवाल फिर चर्चा में आ गया है।

रावत की यात्रा को लेकर सियासी संकेत इसलिए भी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं क्योंकि उनका सक्रिय



क्षेत्र फिलहाल हरिद्वार बना हुआ है। हालिया कार्यक्रमों में हरिद्वार ग्रामीण, लक्सर और खानपुर क्षेत्रों में उनका जनसंपर्क सामने आया है। खानपुर को लेकर रावत ने सार्वजनिक रूप से रुचि भी दिखाई है और उनके समर्थकों की सक्रियता ने 2027 के चुनाव को लेकर अटकलों को हवा दी है। हालांकि टिकट और चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस की ओर से अभी कोई आधिकारिक निर्णय सामने नहीं आया है।

कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने रावत

को पत्र लिखकर स्पष्ट किया कि यात्रा को लेकर न तो उनसे और न ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से चर्चा की गई। सैलजा ने चुनाव से कुछ महीने पहले समानांतर कार्यक्रमों को पार्टी के हित में नहीं बताते हुए रावत से ऐसे कार्यक्रम आगे नहीं बढ़ाने को कहा। यहीं से मामला केवल एक यात्रा का नहीं रह जाता। सवाल यह है कि चुनावी वर्ष में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अपनी राजनीतिक सक्रियता किस सीमा तक स्वतंत्र रूप से चला सकते हैं और संगठन की सामूहिक रणनीति में उनकी भूमिका

किस रूप में तय होगी।

रावत का राजनीतिक प्रभाव और उनका अपना समर्थक वर्ग कांग्रेस की राजनीति में लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है। दूसरी ओर प्रदेश संगठन में नई टीम के साथ चुनावी रणनीति को आगे बढ़ाने की कोशिश चल रही है। ऐसे में रावत की बढ़ती सक्रियता स्वाभाविक रूप से पार्टी के भीतर नेतृत्व की भूमिका और राजनीतिक स्थान को लेकर बहस पैदा कर रही है। रावत की सक्रियता का सबसे स्पष्ट केंद्र हरिद्वार है। यही वह क्षेत्र है, जहां से उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका बनाई और 2009 में लोकसभा चुनाव जीता था। अब 2027 से पहले उसी क्षेत्र में उनका लगातार पहुंचना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालिया रिपोर्टों में खानपुर से विधानसभा चुनाव लड़ने की उनकी इच्छा का भी उल्लेख है।

इस सक्रियता को केवल चुनाव लड़ने की इच्छा के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। इसके पीछे कार्यकर्ताओं से संवाद, पुराने राजनीतिक नेटवर्क को सक्रिय करना और आगामी चुनाव में अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता तलाशने की कोशिश भी हो सकती है। अंतिम तस्वीर टिकट वितरण और पार्टी की चुनावी रणनीति सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगी। रावत और कांग्रेस संगठन के बीच समन्वय का सवाल नया नहीं है। इसी वर्ष अप्रैल में कुमारी सैलजा और हरीश रावत की मुलाकात को पार्टी के भीतर मतभेद कम करने

►► शेष पृष्ठ 7 पर

लाँ कालेज भवन का हिस्सा गिरा, पीएसी जवान की मौत



हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ला कालेज में आज सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। कालेज परिसर में एक पुरानी बिल्डिंग के अचानक भरभरा कर गिर जाने से उसमें एक पीएसी जवान दब गया। सूचना मिलने पर पुलिस व स्थानीय लोगों ने राहत व बचाव अभियान को चलाकर पीएसी जवान को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हादसे का यह मामला धनौरी स्थित अमृत ला कालेज परिसर का है। यहां इन दिनों एक पीएसी प्लाटून ठहरी हुई थी। बताया जा रहा है कि आज सुबह बाथरूम की ओर बनी बिल्डिंग का हिस्सा अचानक ढह गया। जिसमें पीएसी जवान आदिल मलबे में दब गया। तेज आवाज के साथ मलबा गिरने से मौके पर मौजूद जवानों में अफरा तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व पीएसी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। राहत व बचाव अभियान के दौरान मलबे में दबे पीएसी जवान आदिल को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बहरहाल पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सवालों पर सवाल

चुनाव हारे तो संगठन पर सवाल उठेंगे, रणनीति पर सवाल उठेंगे, उम्मीदवारों पर सवाल उठेंगे और सबसे बढ़कर मतदाताओं के फैसले को समझना पड़ेगा। लेकिन अगर इन सवालों से बचना हो तो एक आसान रास्ता है कि हार का ठीकरा चुनाव आयोग के सिर फोड़ दीजिए। काकरोच जनता पार्टी के कर्ता-धर्ता अभिजीत दीपके का मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर दिया गया बयान इसी राजनीतिक प्रवृत्ति का उदाहरण है। महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के चुनाव नतीजों को ज्ञानेश कुमार से जोड़ना अपने आप में ऐसा दावा है, जिसके सामने सबसे पहले कैलेंडर खड़ा हो जाता है। हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव 2024 में हुए थे, जबकि दिल्ली विधानसभा चुनाव का मतदान भी फरवरी 2025 में ज्ञानेश कुमार के मुख्य चुनाव आयुक्त का पद संभालने से पहले हो चुका था। उन्होंने 19 फरवरी 2025 को पद संभाला। यानी जिन चुनावों का ठीकरा उनके सिर फोड़ा जा रहा है, उनमें से दो तो उनके कार्यकाल से पहले ही निपट चुके थे। तो सवाल सीधा है कि जिस अधिकारी ने चुनाव कराया ही नहीं, उसके सिर उस चुनाव की हार क्यों? राजनीति में आरोप लगाने की आजादी है, लेकिन तथ्यों को अपनी सुविधा के मुताबिक मोड़ने की आजादी नहीं हो सकती। चुनाव आयोग की आलोचना होनी चाहिए और कठोर होनी चाहिए, अगर किसी निर्णय, प्रक्रिया या कार्रवाई पर ठोस सवाल हैं। लेकिन आलोचना और राजनीतिक प्रहार के बीच एक महीन रेखा होती है। उस रेखा के पार जाते ही लोकतांत्रिक बहस तथ्य से हटकर आरोपों का अखाड़ा बन जाती है। विडंबना यह है कि चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वाले दल और संगठन अक्सर उसी चुनावी प्रक्रिया से अपने पक्ष में मिले परिणामों को लोकतांत्रिक जनादेश बताते हैं। जीत मिली तो जनता की आवाज, हार मिली तो व्यवस्था संदिग्ध यह दोहरा पैमाना लोकतंत्र में भरोसा नहीं बढ़ाता। यह कहना भी गलत होगा कि चुनाव आयोग सवालों से परे है। मतदाता सूची, चुनावी पारदर्शिता, ईवीएम, एसआईआर और आयोग के फैसलों पर विपक्ष तथा नागरिक संगठनों को सवाल उठाने का पूरा अधिकार है। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में सवाल की ताकत उसके शोर से नहीं, उसके सबूत से तय होती है। अगर किसी चुनाव में गड़बड़ी का आरोप है तो बूथ बताइए, दस्तावेज सामने रखिए, आंकड़े दीजिए, प्रक्रिया में हुई कथित खामी बताइए और संवैधानिक रास्ते अपनाइए। सिर्फ इसलिए कि नतीजा मनमाफिक नहीं आया, पूरी चुनावी मशीनरी को कठघरे में खड़ा कर देना राजनीतिक तर्क नहीं, राजनीतिक सुविधा है और असली सवाल यहीं से शुरू होता हैकृक्या हर चुनावी हार के बाद राजनीतिक दल अपने भीतर झाँकेंगे? क्या वे टिकट वितरण, संगठन की कमजोरी, स्थानीय मुद्दों से दूरी, गठबंधन की रणनीति और मतदाताओं के बदलते मिजाज पर बात करेंगे? या फिर हर बार कोई नया खलनायक खोज लिया जाएगा? लोकतंत्र में हार की जिम्मेदारी लेने का साहस भी उतना ही जरूरी है, जितना सत्ता से सवाल पृछने का साहस। चुनाव आयोग को जवाबदेह बनाना लोकतंत्र की जरूरत है। लेकिन चुनाव आयोग को राजनीतिक हार का पंचिंग बैग बना देना लोकतंत्र की सेहत के लिए खतरनाक है। संस्थाओं पर सवाल उठाइए, मगर उन्हें तथ्य के कटघरे में खड़ा कीजिए कि सुविधाजनक कहानी के कटघरे में नहीं। आखिरकार मतदाता का फैसला पसंद आए या न आए, लोकतंत्र में उससे बचने का रास्ता नहीं होता। हार का हिसाब जनता से पहले अपने संगठन के भीतर मांगना पड़ता है। क्योंकि हर हार के पीछे साजिश तलाशने वाली राजनीति एक दिन उस सबसे कठिन सवाल से बच नहीं सकतीकृअगर सबने आपके खिलाफ साजिश की, तो आपने अपनी तरफ से जीतने के लिए क्या किया?

प्रेम प्रसंग में मैकेनिक की पीट-पीटकर हत्या

हमारे संवाददाता
उत्तरकाशी। प्रेम प्रसंग के चलते कुछ लोगों ने मोटर मैकेनिक को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने एक महिला समेत सात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि चिन्यालीसौड़ बधाण निवासी रोशन लाल (34) पुत्र स्व. नैननाल गांव के कुछ लोगों के साथ कुटेटी बैरियर की ओर घूमने गया था। इस दौरान उसके साथ मौजूद लोगों ने उससे मारपीट की। उन्होंने जखमी रोशन को जिला अस्पताल में भर्ती कराया और फरार हो गए। उपचार के दौरान रोशन की मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई संजय लाल ने थाना कोतवाली में आरोपी रामलाल, लखमा देवी, अर्जुन, विकास, मनोज, केशव और विरेन्द्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। धरासू पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर अर्जुन, विकास, विरेन्द्र और केशव को गिरफ्तार कर लिया है। रोशन की चिन्यालीसौड़ में मोटर मैकेनिक की दुकान थी। मृतक के बड़े भाई संजय लाल ने बताया कि रोशन अविवाहित था। बीते 29 सितम्बर को रोशन गांव की एक महिला को भगाकर शादी के लिए ले गया था। उक्त महिला का पति रिश्ते में रोशन का भतीजा था जो दो बच्चों की मां है। पुलिस ने रोशन और महिला को स्यांसू बैरियर के पास पकड़ लिया। बताया कि गत एक अक्टूबर को एक आरोपी ने उन्हें फोन किया कि वह रोशन को कोर्ट भेज दें ताकि उक्त महिला का पति से तलाक कराया जा सके।



रावत की ‘यात्रा’ पर सैलजा की ‘रोक’

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर अंदरूनी समन्वय का सवाल उठ खड़ा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत की ओर से निकाली जा रही धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा को लेकर प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा की आपत्ति ने पार्टी के भीतर चल रही खींचतान को फिर सतह पर ला दिया है। सैलजा ने रावत को पत्र भेजकर यात्रा के संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी और प्रदेश प्रभारी से चर्चा नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही चुनाव के नजदीक प्रदेश संगठन के समानांतर कोई कार्यक्रम नहीं चलाने की बात कही है।

रावत की यात्रा ऐसे समय शुरू हुई है, जब कांग्रेस 2०27 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है। हरिद्वार से शुरू हुई यात्रा में रावत ने जनता, किसानों और व्यापारियों से संवाद का कार्यक्रम रखा है। यात्रा में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी भी देखी गई। दूसरी ओर पार्टी संगठन का तर्क है कि चुनावी समय में सभी वरिष्ठ नेताओं के कार्यक्रम संगठन की साझा रणनीति और समन्वय के साथ होने चाहिए।

सैलजा की आपत्ति का केंद्र यात्रा का उद्देश्य नहीं, बल्कि उसका संगठन के साथ समन्वय बताया गया है। रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने रावत से कहा है कि यात्रा के बारे में न तो प्रदेश प्रभारी और न ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष से चर्चा की गई। ऐसे में पार्टी नेतृत्व को चिंता है कि अलग-अलग

नेताओं के स्वतंत्र कार्यक्रमों से संगठनात्मक गतिविधियों में समानांतरता का संदेश जा सकता है। सैलजा ने रावत के हालिया कुछ बयानों का भी उल्लेख करते हुए चुनाव के



◆उत्तराखंड कांग्रेस में फिर छिड़ा घमासान, चुनावी तैयारी के बीच ‘खींचतान’
◆बिना इजाजत जनसंवाद यात्रा निकालने पर कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी नाराज
◆कांग्रेस संगठन ने उठाए सवाल, तालमेल की कमी से सतह पर आई खींचतान
◆सैलजा ने पत्र में लिखा कि साझा रणनीति के बिना चुनावी राह नहीं आसान

नजदीक पार्टी को एकजुट होकर मैदान में उतरने की जरूरत बताई है। उन्होंने यात्रा को आगे न बढ़ाने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ हरीश रावत की राजनीतिक सक्रियता लगातार चर्चा में है। अक्टूबर की शुरुआत में उन्होंने हरिद्वार से धन्यवाद एवं जनसंवाद यात्रा शुरू की। इसके बाद हरिद्वार ग्रामीण, लक्सर और खानपुर क्षेत्र में उनके कार्यक्रम हुए। हालिया रिपोर्टों में रावत के खानपुर से 2०27 का चुनाव लड़ने की इच्छा जताने की बात भी सामने आई है। यही वजह है कि यात्रा को केवल जनसंवाद कार्यक्रम के तौर पर नहीं

भारत-चीन सीमा से सटे नेलांग में मनाया गया वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह

हमारे संवाददाता
उत्तरकाशी। भारत-चीन सीमा पर स्थित वाइब्रेंट विलेज नेलांग में वन्यजीव सुरक्षा सप्ताह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। गंगोत्री नेशनल पार्क और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस,आर्मी ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। वन विभाग के वन्य जीव संरक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व गंगोत्री नेशनल पार्क के प्रदीप बिष्ट वन क्षेत्राधिकारी ने किया। इसमें गंगोत्री रेंज के समस्त वन कर्मचारी, आईटीबीपी के डिप्टी कमांडेंट सहित अन्य अधीनस्थ अधिकारी और जवान मौजूद रहे।



वन क्षेत्राधिकारी ने वन एवं वन्य जीव प्राणियों की सुरक्षा और उनके संवर्धन को लेकर जागरूकता संदेश दिया। आर्मी, आईटीबीपी के अधिकारियों और वन कर्मियों ने भी वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन से संबंधित विषयों पर अपने विचार रखे और सीमांत क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आपसी समन्वय पर जोर दिया।

यह पार्क गोमुख से लेकर तिब्बत सीमा तक फैला है, जिसमें नेलांग और जादूंग जैसी दुर्गम घाटियां शामिल हैं। गंगोत्री नेशनल पार्क में दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं। जिसमें हिम तेंदुए का प्रमुख आवास है। भरड़ हिमालयी काला भालू, भूरा भालू, कस्तूरी मृग, हिमालयी थार, घुरल और कई प्रजातियों के पक्षी पाए जाते हैं। सीमा पर स्थित होने के कारण आर्मी, आईटीबीपी और वन विभाग की यह संयुक्त पहल वन्यजीवों के अवैध शिकार को रोकने और उनके प्राकृतिक आवास को बचाने में बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

‘जन की बात’ से विस्थापितों की रजिस्ट्री का समाधान निकलेगा: थापर

हमारे संवाददाता
देहरादून। कैंट विधानसभा के अंतर्गत प्रेमनगर विंग-3, एमडीडीए पार्क के सामने स्थित बारात घर में ‘जन की बात, अभिनव थापर के साथ’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनता से सीधा संवाद करते हुए क्षेत्र की समस्याओं, सुझावों एवं विभिन्न स्थानीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों एवं मातृशक्ति को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

उत्तराखंड कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि ‘जन की बात’ का उद्देश्य जनता के बीच जाकर उनकी वास्तविक समस्याओं को सीधे सुनना और उनके समाधान की दिशा में ठोस रोडमैप तैयार



करना है। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं और सुझावों से ही समाधान का रास्ता निकलेगा। थापर ने कहा कि प्रेमनगर में विस्थापितों की रजिस्ट्री की समस्या एक महत्वपूर्ण जनमुद्दा है। कांग्रेस सरकार के समय 17 रजिस्ट्रियां करवाकर इस दिशा में कार्य शुरू किया गया था, किंतु पिछले एक दशक से भाजपा सरकार द्वारा इस कार्य को आगे नहीं बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि ‘जन की बात’

कार्यक्रम के माध्यम से विस्थापितों की रजिस्ट्री की समस्या को विस्तार से समझते हुए इसके समाधान का रास्ता निकालने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही लंबे समय से चली आ रही सरकारी अस्पताल की व्यवस्थाओं, शिक्षा, नालों की सफाई, पेयजल, जलभराव सहित अन्य स्थानीय समस्याओं को भी प्राथमिकता के आध र पर चिन्हित किया जाएगा।

बहुउद्देशीय शिविर में 810 लाभार्थियों को मिला योजनाओं का लाभ

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड चौखुटिया के राजकीय इंटर कॉलेज मासी में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। द्वाराहाट विधायक मदन सिंह बिष्ट की उपस्थिति में आयोजित शिविर में 81० लाभार्थियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ दिया गया। शिविर में कुल 972 लोगों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टालों के माध्यम से लोगों को योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी गई। शिविर में स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें संबंधित विभागों के समक्ष रखीं। कुल 152 शिकायत पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 141 का निस्तारण किया गया। विभिन्न प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 47 आवेदन भी प्राप्त हुए। विधायक मदन सिंह बिष्ट ने कहा कि बहुउद्देशीय शिविरों के माध्यम से सरकारी योजनाओं और सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने के साथ स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। वहीं मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने अधिकारियों को शिविर में प्राप्त समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

वन्य जीव एवं पर्यावरण संवर्धन के बारे में दी जानकारी

बागेश्वर(आरएनएस)। वन्यजीव संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत बागेश्वर वन क्षेत्र द्वारा चिंतन-मंथन सभागार, बागेश्वर में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन्य जीव एवं पर्यावरण संवर्धन के बारे में जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं एवं जनप्रतिनिधियों को वन, वन्यजीव एवं पर्यावरण के संरक्षण, सुरक्षा एवं संवर्धन के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर, कठायतवाड़ा के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों के लिए जागरूकता प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने विभिन्न स्तोगनों एवं संदेशों के माध्यम से वन, पर्यावरण एवं वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मानव-वन्यजीव संघर्ष एवं वन्यजीव संरक्षण से संबंधित जागरूकता वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया।

साइबर अपराध और नशे के खिलाफ चलाया जन-जागरुकता अभियान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर अल्मोड़ा पुलिस की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में साइबर अपराध, नशे, महिला अपराध, यातायात सुरक्षा और नए आपराधिक कानूनों को लेकर जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। सीओ अल्मोड़ा बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में महिला कोतवाली और कोतवाली सोमेश्वर की पुलिस टीमों ने ग्राम गोलना करड़िया और सोमेश्वर कस्बे के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों से संवाद किया। पुलिस टीमों ने ग्रामीणों, बाजारों और खेतों में काम कर रहे लोगों को साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्टिंग से बचाव की जानकारी दी। पुलिस ने साइबर ठगी होने पर घबराने के बजाय तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 193० पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। इस दौरान भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों एवं उनके महत्व की जानकारी भी दी गई। लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें नशे से दूर रखने की अपील की गई।

चम्पावत में अग्निवीर भर्ती ट्रेनिंग कैंप लगेगा

चम्पावत(आरएनएस)। चम्पावत में अग्निवीर भर्ती ट्रेनिंग कैंप लगेगा। इसके लिए यूथ फाउंडेशन ने तैयारी शुरू की है। विजयादशमी पर कैंप का शुभारंभ किया जाएगा। पूर्व सैनिक कल्याण सलाहकार परिषद अध्यक्ष रिटायर्ड कर्नल अजय कोठियाल ने बताया कि चम्पावत में अग्निवीर भर्ती ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीएम धामी के निर्देश पर यूथ फाउंडेशन चार माह का कैंप लगाएगा। वर्तमान में गढ़वाल में सात स्थानों पर लगे कैंपों में 751 युवा प्रशिक्षण ले रहे हैं। अभी तक यूथ फाउंडेशन भारतीय सेना और अर्ध सैनिक बलों में 15 हजार से अधिक युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में सहयोग कर चुका है। उन्होंने बताया कि निशुल्क कैंप में युवाओं के भोजन और अन्य सुविधा यूथ फाउंडेशन उपलब्ध कराएगा। शारीरिक टेस्ट में पास युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। पिछली बार उनके कैंप में 752 में से 7०2 का चयन सेना में हुआ।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

भाजपा: बूथ से सत्ता की हैट्रिक तक

कार्यालय संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2०27 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भाजपा ने चुनावी तैयारी को अब बैठकों और बयानों से आगे ले जाकर संगठन के सबसे निचले स्तर यानी बूथ तक केंद्रित करना शुरू कर दिया है। दो अक्टूबर को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में हुई सांगठनिक बैठक ने पार्टी की चुनावी दिशा काफी हद तक साफ कर दी। नए प्रदेश प्रभारी राम माधव, सह प्रभारी बांसुरी स्वराज और अरविंद मेनन की मौजूदगी में प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों और मंत्रियों के साथ संगठन की स्थिति और चुनावी तैयारियों पर मंथन हुआ।

भाजपा का घोषित फोकस मेरा बूथ, सबसे मजबूत और बूथ जीता, चुनाव जीता के सूत्र पर है। पार्टी महामंत्री संगठन फणींद्रनाथ शर्मा ने बूथों को चुनावी रणनीति का केंद्र बनाने पर जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी सरकार और संगठन के काम को बूथ स्तर तक पहुंचाने तथा जनता के बीच पार्टी की मौजूदगी बढ़ाने की बात कही। बैठक में भाजपा के चुनावी लक्ष्य को भी आक्रामक तरीके से सामने रखा गया। राम माधव ने कार्यकर्ताओं से सामान्य बहुमत तक सीमित रहने के बजाय 6० से अधिक सीटों के लक्ष्य के साथ काम करने को कहा। उत्तराखंड विधानसभा में कुल 7० सीटें हैं। यह लक्ष्य अपने आप में भाजपा की चुनावी महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की तैयारी कर रही है और संगठन को यह संदेश दिया जा रहा है कि चुनाव को सामान्य चुनाव की तरह नहीं, बल्कि नए सिरे से लड़ी जाने वाली लड़ाई के रूप में लिया जाए।

भाजपा की रणनीति का दूसरा बड़ा हिस्सा सरकार के कामकाज को जनता

तक ले जाना है। पार्टी नेतृत्व विधायकों और कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने तथा सरकार की उपलब्धियों के साथ स्थानीय समस्याओं पर भी जनता से संवाद करने को कह चुका है। अगस्त में हुई तैयारियों में रोजगार, विकास, पलायन और स्थानीय सुविधाओं जैसे मुद्दों पर संवाद बढ़ाने पर जोर दिया गया था। अब चुनौती यह है कि सरकारी योजनाओं का प्रचार केवल पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठकों तक सीमित न रहे, बल्कि मतदाताओं तक

◆**नए चुनावी प्रभारी-सह प्रभारियों ने संभाली कमान, संगठन की ताकत पर है भरोसा**
◆**बूथ मजबूत करने से लेकर सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता तक पहुंचाने की रणनीति**
◆**भाजपा का घोषित फोकस मेरा बूथ, सबसे मजबूत व बूथ जीता, चुनाव जीता के सूत्र पर**

पहुंचे। इसके लिए भाजपा ने बूथ, शक्ति केंद्र और घर-घर संपर्क की रणनीति पर जोर दिया है। अगस्त-सितंबर के संगठनात्मक कैलेंडर में बूथ सशक्तीकरण और हर घर तक संपर्क को प्रमुखता दी गई थी।

राम माधव, बांसुरी स्वराज और अरविंद मेनन की नई टीम की तैनाती को भी 2०27 की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तीनों नेताओं के पहले संगठनात्मक प्रवास में जिलों, विधानसभा क्षेत्रों और बूथ स्तर तक संगठन की वास्तविक स्थिति समझने पर जोर रहा। सवाल यह है कि प्रदेश संगठन की रिपोर्ट और जमीन पर कार्यकर्ताओं की स्थिति में कितना अंतर है। यही वजह है कि आने वाले महीनों में भाजपा के लिए केवल बड़े

यूपीआई क्यूआर कोड को काले कपड़े से ढककर किया विरोध-प्रदर्शन

रुद्रपुर(आरएनएस)। प्रस्तावित मचेंट डिस्काउंट रेट लागू किए जाने का खटीमा के व्यापारियों ने विरोध किया है। व्यापारियों ने यूपीआई के माध्यम से होने वाले डिजिटल भुगतान के विरोध में प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया।

इस दौरान व्यापारियों ने यूपीआई बॉक्स व क्यूआर कोड को काले कपड़े से ढककर अपना विरोध दर्ज कराया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल ने कहा

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर स्वास्थ्य और अधिकारों की जानकारी दी

हरिद्वार(आरएनएस)। सीनियर सिटीजंस वेलफेयर सोसायटी की ओर से अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। लालतारों पुल स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठजनों को स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के

साथ मनोरंजक गतिविधियां भी कराई गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमरीश रस्तोगी ने की। उन्होंने संस्था के सदस्यों से पारिवारिक भावना के साथ जुड़े रहने और एक-दूसरे के संपर्क में रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई। प्रसिद्ध संगीतकार आचार्य योगेश ने भजन प्रस्तुत किया। साहित्यकार डॉ. अशोक गिरी ने गीत प्रस्तुत किया।

कि डिजिटल भुगतान पर बढ़ती निर्भरता के बीच छोटे एवं मध्यम व्यापारियों के सामने विभिन्न व्यावहारिक एवं आर्थिक चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने मांग की कि उनकी समस्याओं और चिंताओं पर संबंधित अधिकारियों एवं नीति-निर्माताओं द्वारा गंभीरता से विचार किया जाए।प्रदर्शन के दौरान महामंत्री हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि उनका उद्देश्य ग्राहकों को असुविधा पहुंचाना नहीं, बल्कि अपनी समस्याओं

कार्यक्रम महत्वपूर्ण नहीं होंगे। बूथ समितियों की सक्रियता, स्थानीय कार्यकर्ताओं की नाराजगी, विधायकों की क्षेत्रीय पकड़, जनता की शिकायतें और संगठन के भीतर समन्वय जैसे मुद्दे भी चुनावी तैयारी की कसौटी बनेंगे।

भाजपा की नई चुनावी रणनीति में युवा मतदाताओं पर विशेष ध्यान दिखाई दे रहा है। बांसुरी स्वराज ने संगठनात्मक बैठक में जेन-जी और युवाओं से जुड़ी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए पार्टी कार्यक्रमों को युवाओं की भाषा और शैली के अनुरूप बनाने की जरूरत बताई। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2०27 का चुनाव ऐसे समय में होगा जब रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाएं, शिक्षा, पलायन और युवाओं के अवसर जैसे मुद्दे राजनीतिक विमर्श में प्रमुख रहेंगे।

भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब यही है कि संगठन की चुनावी मशीनरी को जमीन की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ा जाए। पार्टी के पास सरकार, संगठन और बूथ नेटवर्क का मजबूत ढांचा है, लेकिन चुनाव में अंतिम कसौटी मतदाताओं के बीच प्रदर्शन और स्वीकार्यता होती है। इसलिए 2०27 की तैयारी में भाजपा का असली मंथन केवल यह नहीं है कि कितनी बैठकें होंगी और कितने कार्यक्रम चलेंगे। असली सवाल यह है कि 7० विधानसभा क्षेत्रों में संगठन जनता के बीच क्या संदेश लेकर जाएगा और स्थानीय स्तर पर उठ रहे सवालों का जवाब कैसे देगा। फिलहाल भाजपा ने अपनी दिशा स्पष्ट कर दी है कि बूथ मजबूत करो, कार्यकर्ता सक्रिय करो, सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता तक ले जाओ और चुनाव को बड़े लक्ष्य के साथ लड़ो। अब आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कागज पर तैयार यह चुनावी रणनीति जमीन पर कितनी प्रभावी ढंग से उतरती है।

और मांगों की ओर शासन एवं संबंधित संस्थाओं का ध्यान आकर्षित करना है। व्यापारी संगठनों ने मांग की कि व्यापारियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर यूपीआई एवं डिजिटल भुगतान व्यवस्था से संबंधित उनकी समस्याओं का समाधान किया जाए। इस दौरान अमित वर्मा, विनोद पचौली, संजय रस्तोगी, दीपक, इसरार अहमद, मुस्तफा हुसैन, दिलशाद खान आदि मौजूद रहे।

उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी कार्य कर रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से 2०2० से बंद वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा किराये में मिलने वाली रियायत बहाल करने की मांग की। बृजभूषण विद्यार्थी ने वृद्धावस्था पेंशन के नियमों को सरल बनाने की मांग रखी। तेज प्रकाश साहू और चोखेलाल ने भी विचार रखे। इस अवसर पर बृजभूषण विद्यार्थी, अधिवक्ता राकेश गुप्ता, श्याम सुंदर सचदेवा, सपन प्रमाणिक, जेके शर्मा, हरिमोहन सिंह, विदेश कुमार, चमन लाल खट्टर, आत्म प्रकाश, त्रिलोचन सिंह, यशपाल अग्रवाल, कांता रस्तोगी, सीता शर्मा, स्वर्ण कांता शर्मा, मीरा गुप्ता, नीलम खट्टर, मनोरमा राय, सीमा कपिल, सरोज साहू, मधु बंसल, हर्ष लता सचदेवा आदि मौजूद रहे।

केले के छिलके को खाद में बदलने के लिए अपनाएं ये 5 सरल तरीके

आमतौर पर लोग केले के छिलकों को फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका इस्तेमाल पौधों के लिए प्राकृतिक खाद के रूप में किया जा सकता है? केले के छिलके में पोटेशियम, फास्फोरस और कैल्शियम जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो पौधों की वृद्धि के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए आज हम आपको केले के छिलके को खाद में बदलने के कुछ आसान टिप्स बताते हैं।

केले के छिलकों को सुखाएं : केले के छिलके को खाद में बदलने के लिए सबसे पहले उन्हें सुखाना जरूरी है। इसके लिए केले के छिलकों को धूप में रखकर सुखाएं। इससे उनमें मौजूद नमी खत्म हो जाएगी और वे आसानी से टूटने लगेंगे। सूखे हुए छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें, ताकि उन्हें खाद में मिलाना आसान हो जाए। इस प्रक्रिया से छिलकों में मौजूद पोषक तत्वों को भी बढ़ावा मिलेगा और वे पौधों के लिए अधिक फायदेमंद होंगे।

पानी में उबालें : सूखे हुए केले के टुकड़ों को पानी में उबालना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले पानी को उबालें और उसमें कटे हुए छिलकों को डाल दें। जब पानी उबलने लगे तो आंच बंद कर दें और मिश्रण को ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इस पानी को अपने पौधों पर डालें। यह पानी आपके पौधों को पोषण देने में मदद करेगा और उन्हें स्वस्थ बनाए रखेगा।

भूसी बनाना : केले के छिलकों को भूसी बनाना भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को मिक्सर में पीस लें, ताकि वे बारीक पाउडर बन जाएं। इस पाउडर को आप सीधे मिट्टी में मिला सकते हैं या फिर इसे पानी में घोलकर अपने पौधों पर डाल सकते हैं। इससे आपके पौधों को प्राकृतिक तरीके से पोषण मिलेगा और वे अच्छी तरह से बढ़ भी सकेंगे।

जैविक खाद बनाना : केले के छिलकों से जैविक खाद बनाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को किसी बर्तन में डालें, फिर उसमें पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को कुछ दिनों तक ढककर रखें, ताकि इसमें छोटे जीवाणु विकसित हो सकें और यह खाद बन सके। जब यह मिश्रण काली मिट्टी जैसा दिखने लगे तो आपकी जैविक खाद तैयार हो जाएगी, जिसे आप अपने पौधों की जड़ों में डाल सकते हैं।

प्राकृतिक खाद बनाना : प्राकृतिक खाद बनाने के लिए सबसे पहले सूखे हुए छिलकों को किसी बर्तन में डालें, फिर उसमें गुड़ या चीनी मिलाएं, ताकि छोटे जीवाणु सक्रिय हो सकें। अब इस मिश्रण को कुछ दिनों तक ढककर रखें, ताकि यह अच्छी तरह से गल सके और खाद तैयार हो जाए। इस प्रकार आप आसानी से अपने घर पर ही केले के छिलके से प्राकृतिक खाद बना सकते हैं, जो आपके पौधों के लिए बहुत फायदेमंद होगी।

वर्क फ्रॉम होम के दौरान बार-बार भटक जाता है ध्यान? अपनाएं ये तरीके

आजकल घर से काम करने का चलन काफी बढ़ गया है। यह न केवल कर्मचारियों को आराम देता है, बल्कि उन्हें अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने का मौका भी देता है। हालांकि, घर पर काम करते समय कई बार रुकावटें आती हैं, जो काम करने की क्षमता को प्रभावित करती हैं। हम आपको कुछ आसान सुझाव देंगे, जिनसे आप इन रुकावटों को कम कर सकते हैं और अपने काम पर ध्यान केंद्रित रख सकते हैं।

एक खास जगह तय करें : घर में एक ऐसी जगह तय करें, जो केवल आपके काम के लिए हो। इससे आपका दिमाग उस जगह को काम करने की जगह के रूप में पहचान लेगा और आपकी काम करने की क्षमता बढ़ेगी। इस जगह पर एक आरामदायक कुर्सी और टेबल रखें, जिससे आप लंबे समय तक आराम से बैठ सकें। इसके अलावा इस जगह को व्यवस्थित रखें, ताकि आपको बार-बार चीजें ढूँढने के लिए समय बर्बाद न करना पड़े और आपका ध्यान भटके नहीं।

परिवार और दोस्तों से दूरी बनाएं : अगर आपके घर में अन्य लोग भी रहते हैं तो उनसे थोड़ी दूरी बनाकर रखें, जब आप काम कर रहे हों। उन्हें समझाएं कि आप काम कर रहे हैं और आपको परेशान न करें। इसके लिए आप नोटिस बोर्ड लगा सकते हैं, जिससे वे जान सकें कि आप काम कर रहे हैं और आपको परेशान न करें। यह तरीका न केवल काम करने की क्षमता बढ़ाएगा, बल्कि परिवार के सदस्यों को आपके काम का महत्व समझने में मदद करेगा।

समय का प्रबंधन करें : अपनी दिनचर्या को इस तरह से सेट करें कि आप समय पर काम शुरू करें और समय पर खत्म करें। इसके लिए आप अलार्म या कैलेंडर ऐप्स का उपयोग कर सकते हैं, जो आपको समय पर काम खत्म करने की याद दिलाएंगे। इसके अलावा बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें, ताकि आपका दिमाग तरोताजा रहे और आप अपनी ऊर्जा बनाए रख सकें। इस तरह आप बिना किसी रुकावट के अपने काम को समय पर पूरा कर सकेंगे।

तकनीकी उपकरणों का सही उपयोग करें : तकनीकी उपकरण, जैसे कंप्यूटर और मोबाइल फोन आदि का सही उपयोग करें, ताकि आपको बार-बार इनकी तलाश न करनी पड़े। अगर आपका कंप्यूटर धीमा हो रहा है तो उसे सुधारें या बदलें। मोबाइल फोन पर सूचनाएं बंद रखें, ताकि आपका ध्यान भटके नहीं। इसके अलावा इंटरनेट कनेक्शन को स्थिर रखें, ताकि बार-बार डिस्कनेक्ट होने की समस्या न हो। इससे आपका काम बिना किसी रुकावट के चलता रहेगा और आप अधिक प्रभावी बन सकेंगे।

आपको लंबी जिंदगी देते है ये फूड

मानव जीवन का भोजन से गहरा संबंध है। हम क्या खाते हैं इसका हमारे जीवन और सेहत दोनों पर असर होता है। जाहिर सी बात है कि हम बेहतर और पौष्टिक भोजन करेंगे तो हमारा जीवन दीर्घायु होगा जो हमारे निरोग रहने में भी सहायक होगा। पेश है वो छह आहार जो आपके जीवन को निरोग रखने के साथ आपको दीर्घायु भी बनाते हैं।

हरी सब्जियाः हरी सब्जियों के सेवन से काफी लाभ मिलता है। हरी सब्जियों से वजन नियंत्रित रहता है। डाइट में अलगअलग रंग के फल और सब्जियों को शामिल करके आप सेहत संबंधी कई समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। हरी सब्जियों में बीटाकैरोटीन, वीटामिनबी, विटामिनसी समेत और भी कई पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं।

बींसः बींस में प्रोटीन व घुलनशील फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है और आवश्यक कई पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत होता है, विशेष रूप से विटामिन्स तथा खनिज का। इसमें प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं जो हृदय के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं। इसके अलावा बींस में घुलनशील फाइबर भी होते हैं।

प्याजः प्याज एक बेहतरीन सब्जी भी है और एक बेजोड़ औषधि भी है। कई गंभीर



बीमारियों के लिए ये रामबाण नुस्खा है। प्याज में केलिसिन और रायबोफ्लेविन (विटामिन बी) पर्याप्त मात्रा में होता है। इसमें 11 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट होता है और इसकी गंध एन्रप्रोपाइल्लडाय सल्फाइड के कारण आती है।

मशरूमः मशरूम में कई ऐसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जिनकी शरीर को बहुत आवश्यकता होती है। ये फाइबर का भी एक अच्छा माध्यम है। कई बीमारियों में मशरूम इसका इस्तेमाल दवाई के तौर पर किया जाता है। मशरूम में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट हमें भंयकर फ्री रेडिकल्स से बचाता है। इसको खाने से शरीर में एंटीवाइरल और अन्य प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है, जो कि कोशिकाओं को रिपेयर

करता है। बेरीः कलरफुल बेरी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते है। ब्लूबेरी, स्ट्रबेरी, ब्लैकबेरी के सेवन से शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती है। बेरी से शरीर को पोषण मिलता है और यह शरीर में सुगर को भी नियंत्रित रखता है।

नट्स और बीजः नट्स और बीज हेल्दी और पौष्टिक होते हैं। इनके सेवन से आप हृदय रोग, मधुमेह, रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियों से बचे रहते हैं। अगर आप वजन घटाने की इच्छा रखते हैं तो इस काम में भी ये आपकी मदद कर सकते हैं। बीज और नट्स नट्स में प्रोटीन और फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिस कारण यह हमारे शरीर को ऊर्जा देता है और वसा हुआ खाने का सेवन करने से यह फैट को नियंत्रण करता है।

कई रोगों में हितकारी होता है चुकंदर



चुकंदर में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम और सोडियम में समृद्ध हे फोलिक एसिड और विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। चुकंदर पौष्टिक होने की वजह से शरीर में कमजोरी को दूर करनेवाला, रक्तशोधक व कई रोगों में फायदा करता है। चुकंदर का सलाद के रूप में अधिक किया जाता है। जिन महिलाओं को माहवारी में कष्ट होता है, उन्हें अधिक से अधिक कच्चा चुकंदर खाना चाहिए। यह दूध और रक्त बढ़ाता है और माहवारी में भी लाभ पहुंचाता है।

चुकंदर के 1०० ग्राम रस में 25 ग्राम सिरका मिलाकर बालों की जड़ों में लगाने से रूसी खत्म होती है और बालों का झड़ना भी रूक जाता है। यकृत रोगों व पित्ताशय संबंधों विकारों में चुकंदर के रस के साथ समभाग में गाजर व ककडी का रस मिलाकर सुबह-शाम पीने से फायदा मिलाता है। चुकंदर के रस के साथ गाजर का रस समभाग में मिलाकर पीने से शरीर की ताकत तो बढ़ती है, साथ ही मोटापा नहीं बढ़ता और अनावश्यक चर्बी भी कम होती है।

शब्द सामर्थ्य -63

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा,

गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचिला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

1		3	2		3	4	6	4
		5		8	6		7	
8	9			10		10	11	
12	12			13		14		
12	15				15	16	17	
17	18		18	19				
	17	21	20		19	21		
23	22					23	23	
24			25		26		26	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 62 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

रणवीर कपूर की रामायण की बदली रिलीज डेट, अब 6 नवंबर के बजाय 5 नवंबर को होगी रिलीज!

रणवीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण पार्ट 1' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। फिल्म के पोस्टर के बाद इसका टीजर और ट्रेलर भी जारी किया जा चुका है। फिल्म दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसी बीच फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव की खबर सामने आई है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक नई तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार, रामायण पार्ट 1' को 6 नवंबर को रिलीज किया जाना था। हालांकि, सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि निर्माता अब फिल्म को एक दिन पहले यानी 5 नवंबर को सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं ने 5 नवंबर की तारीख तय कर ली है और फिल्म को दुनियाभर में एक ही दिन प्रदर्शित करने की योजना बनाई जा रही है। नई रिलीज तारीख को लेकर संबंधित पक्षों की मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है। अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद निर्माता आधिकारिक तौर पर तारीख की घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख में बदलाव को लेकर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिल्म की रिलीज तारीख नजदीक आने के साथ ही इसके प्रचार अभियान को भी तेज कर दिया गया है। हाल ही में फिल्म के पोस्टर का भव्य स्तर पर अनावरण किया गया। पहले पोस्टर में राम, सीता और लक्ष्मण के किरदारों की झलक दिखाई गई, जबकि दूसरे पोस्टर में रावण के रूप में यश का लुक सामने आया।

फिल्म के प्रचार अभियान के बीच दर्शकों की नजर अब इस बात पर है कि रामायण पार्ट 1' आखिर किस तारीख को सिनेमाघरों में पहुंचेगी।

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण पार्ट 1' का निर्माण नमित मल्होत्रा ने किया है। फिल्म में रणवीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि साईं पल्लवी मां सीता का किरदार निभा रही हैं। रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे।

वहीं, यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। अरुण गोविल राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे। रकुलप्रीत सिंह शूर्पणखा और लारा दत्ता कैकेयी की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म के प्रचार सामग्री और ट्रेलर में प्रमुख किरदारों की झलक सामने आ चुकी है। हालांकि, हनुमान के किरदार का पूरा रूप अभी तक आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है। रामायण' को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। इसका पहला भाग इस वर्ष दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाना है, जबकि दूसरा भाग अगले वर्ष दिवाली के मौके पर रिलीज करने की योजना है।

अब दर्शकों की नजर फिल्म की आधिकारिक रिलीज तारीख की घोषणा पर टिकी है। यदि नई तारीख को अंतिम मंजूरी मिलती है तो रामायण पार्ट 1' 6 नवंबर के बजाय 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज हो सकती है।

नानी की फिल्म द पैराडाइज़ ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, वर्ल्डवाइड 150 करोड़ का आंकड़ा किया पार

अभिनेता नानी की फिल्म द पैराडाइज़' ने सिनेमाघरों में शुरुआती चार दिनों में शानदार कारोबार करने का दावा किया है। निर्माताओं के अनुसार, श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने शुरुआती सप्ताहांत में दुनियाभर में 155 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। आलोचकों की मिली-जुली से लेकर नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बावजूद फिल्म ने सिनेमाघरों में मजबूत पकड़ बनाए रखी है। फिल्म को नानी की लोकप्रियता के साथ गणेश विसर्जन के अवसर पर मिली लंबी छुट्टियों का भी लाभ मिला है। निर्माताओं की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, चार दिनों में तेलंगाना से 70 करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश से 32 करोड़ रुपये, देश के अन्य हिस्सों से 22 करोड़ रुपये और विदेशों से 31 करोड़ रुपये की कमाई हुई। इस तरह फिल्म का कुल वैश्विक सकल कारोबार 155 करोड़ रुपये बताया गया है।

विदेशी बाजार में भी द पैराडाइज़' ने अच्छा प्रदर्शन किया है। फिल्म ने उत्तरी अमेरिका में दो मिलियन डॉलर से अधिक का कारोबार कर लिया है। इसे नानी के करियर की एक और उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

अब फिल्म के सामने सबसे बड़ी चुनौती छुट्टियां समाप्त होने के बाद सिनेमाघरों में अपनी पकड़ बनाए रखना है। सप्ताह के कामकाजी दिनों में दर्शकों की संख्या और कमाई का स्तर यह तय करेगा कि फिल्म आने वाले दिनों में कितनी मजबूती से कारोबार जारी रख पाती है। द पैराडाइज़' में नानी ने जडल' नामक किरदार निभाया है। फिल्म वर्ष 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक कार्रवाई प्रधान सामाजिक-परिवारिक कहानी है। इसमें हाशिए पर रहने वाले एक समुदाय के संघर्षों को केंद्र में रखा गया है।

फिल्म में जबरदस्त कार्रवाई दृश्यों के साथ पारिवारिक भावनाओं और सामाजिक मुद्दों को भी कहानी का हिस्सा बनाया गया है। नानी के साथ कयादु लोहार, मोहन बाबू, सोनाली कुलकर्णी, राघव जुयाल और प्रियदर्शी समेत कई कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। द पैराडाइज़' का निर्माण एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी ने किया है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंद्र ने तैयार किया है, जबकि छायांकन सी.एच. साई ने किया है। संपादन की जिम्मेदारी नवीन नूली ने संभाली है।

पहले सप्ताहांत में मजबूत शुरुआत के बाद अब फिल्म की नजर कामकाजी दिनों के प्रदर्शन पर है। छुट्टियों के बाद सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या किस स्तर पर बनी रहती है, इससे फिल्म के आगे के कारोबार की दिशा स्पष्ट होगी।

परिणीति चोपड़ा बनेंगी फील्ड रिपोर्टर, रिपोर्टिंग लाइव में खुलेगा रेत माफिया का खतरनाक खेल

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर डिजिटल माध्यम पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। अपराध रोमांचक श्रृंखला शक' से डिजिटल दुनिया में कदम रखने वाली परिणीति अब फिल्म रिपोर्टिंग लाइव' में नजर आएंगी। फिल्म की ओटीटी प्रदर्शित होने की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। इसमें परिणीति एक महिला पत्रकार की भूमिका निभाती दिखाई देंगी।

ध्रुव त्रिपाठी के निर्देशन में बनी रिपोर्टिंग लाइव' एक महत्वाकांक्षी युवा पत्रकार की कहानी है। फिल्म के जरिए अवैध रेत खनन की अंधेरी दुनिया को सामने लाने का प्रयास किया गया है। कहानी में निर्दयी रेत माफिया और उससे जुड़े अपराधों के बीच पत्रकार के संघर्ष को प्रमुखता से दिखाया जाएगा।

फिल्म की कहानी पत्रकारिता, अपराध और रेत के अवैध कारोबार के इर्द-गिर्द घूमती है। परिणीति का किरदार इस पूरे आपराधिक तंत्र की पड़ताल करते हुए उससे जुड़े सच को सामने लाने की कोशिश करता नजर आएगा।

रिपोर्टिंग लाइव' के जारी पोस्टर में परिणीति चोपड़ा के साथ देवेन भोजानी, अमोल पालेकर, आदिल हुसैन और शेखर सुमन भी नजर आ रहे हैं। इससे फिल्म में मजबूत सहायक कलाकारों की मौजूदगी का संकेत मिलता है।

फिल्म का निर्माण पार्थ किरण ठाकुर और जोशुआ शिरसाथ ने किया है। निर्देशन की जिम्मेदारी ध्रुव त्रिपाठी ने संभाली है।

मिर्जापुर द मूवी' ने रचा नया रिकॉर्ड, दुनियाभर में 330 करोड़ के पार कमाई, बनी 2026 चौथी मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म



पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिवेंदु शर्मा अभिनीत अपराध रोमांचक फिल्म मिर्जापुर द मूवी' रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और 24 दिनों में इसकी दुनियाभर में कमाई 330 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। इसके साथ ही फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

मिर्जापुर द मूवी' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 24 दिन हो चुके हैं। इसके बावजूद फिल्म की कमाई जारी है। सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 25.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि पहले सप्ताह का कारोबार 148.45 करोड़ रुपये रहा। दूसरे सप्ताह में



रिपोर्टिंग लाइव' का प्रदर्शन 9 अक्टूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा। डिजिटल मंच पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में परिणीति को एक गंभीर और

खोजी पत्रकार की भूमिका में देखने का मौका मिलेगा। अब दर्शकों की नजर फिल्म की कहानी और परिणीति के इस नए किरदार पर टिकी है।

करने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, आगे की कमाई फिल्म की सिनेमाघरों में बनी रहने वाली पकड़ और दर्शकों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी।

मिर्जापुर द मूवी' ने कमाई के साथ मुनाफे के मामले में भी इस साल की प्रमुख हिंदी फिल्मों में जगह बना ली है। कोईमोई की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का बजट करीब 90 करोड़ रुपये था। दुनियाभर में 330.72 करोड़ रुपये के कारोबार के आधार पर फिल्म ने अपने बजट की तुलना में 267.47 प्रतिशत मुनाफा दर्ज किया है।

इस प्रदर्शन के साथ मिर्जापुर द मूवी' वर्ष 2026 की सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली हिंदी फिल्मों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। मुनाफे के मामले में इस सूची में आवारापन 2' 373.36 प्रतिशत मुनाफे के साथ तीसरे स्थान पर है। धुरंधर 2' ने 427.25 प्रतिशत मुनाफे के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है। वहीं, हनुमान अंश' इस सूची में सबसे ऊपर है। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 1.8 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 16,457.22 प्रतिशत मुनाफा दर्ज किया है। मिर्जापुर द मूवी' की लगातार कमाई ने फिल्म को न केवल 200 करोड़ रुपये के घरेलू शुद्ध कारोबार वाले क्लब में पहुंचाया है, बल्कि इसे 2026 की मुनाफे वाली फिल्मों की सूची में भी शामिल कर दिया है।

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

हरिद्वार(आरएनएस)। ‘स्वच्छता ही सेवा-2०26’ के तहत गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा के निर्देशन और कुलसचिव प्रो. सत्यदेव निगमालंकार के संयोजन में सुबह आठ से 11 बजे तक अभियान चला। दयानंद द्वार, कुलपति कार्यालय परिसर, कुलसचिव कार्यालय प्रांगण, अमन चौक और मुख्य मार्गों की सफाई की गई। कन्या गुरुकुल, हरिद्वार में शिक्षिकाओं ने भी परिसर में सफाई अभियान चलाया। शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों ने विभागीय परिसर में भी सफाई की। कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा ने अभियान को प्रेरणाप्रद बताते हुए कहा कि सामाजिक सरोकार से जुड़े ऐसे आयोजन लोगों में सामाजिक संवेदना और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। कुलसचिव प्रो. सत्यदेव निगमालंकार ने कहा कि स्वच्छता प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। समय-समय पर ऐसे अभियान चलाने से वातावरण के प्रति जिम्मेदारी बढ़ती है और बीमारियों की रोकथाम में भी मदद मिलती है।

मुस्तैदी से करें सीमा की निगेहबानी: डीआईजी

चम्पावत।एसएसबी क्षेत्रक मुख्यालय अल्मोड़ा के डीआईजी सुधांशु नौटियाल ने पंचम वाहिनी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीमा क्षेत्र में स्थित चौकी का निरीक्षण किया। उन्होंने जवानों से सीमा की निगरानी मुस्तैदी से करने को कहा। एसएसबी के डीआईजी सुधांशु नौटियाल ने पंचम वाहिनी का दौरा किया। कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम ने उनका स्वागत किया। उन्होंने पंचम वाहिनी स्थित परिसर, प्रशासनिक कार्यालय, वाहिनी चिकित्सालय, परिवहन शाखा, जवान बैरक और वाहिनी में चल रहे निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से इस संबंध में आवश्यक जानकारी ली। बाद में जवानों का विशेष सैनिक सम्मेलन हुआ। जिसमें उन्होंने जवानों के साथ समस्याओं, चुनौतियों और कार्य प्रणाली पर विचार विमर्श किया। डीआईजी ने समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। डीआईजी ने तुलीगाड़ समवाय का निरीक्षण भी किया। यहां उन्होंने भारत-नेपाल सीमा पर तैनात बलकर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी की समीक्षा की। कमांडेंट सुरेंद्र विक्रम ने वाहिनी में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। यहां डॉ. विशाल बरनवाल कमांडेंट, आशीष कुमार पांडेय, द्वितीय कमान अधिकारी, करन चौहान व सुदेश कुमार उप कमांडेंट, नवीन कुमार, सहायक कमांडेंट आदि मौजूद रहे।

यातायात व्यवस्था संभालने के साथ-साथ पुलिस का जन-जागरूकता अभियान भी जारी

संवाददाता
टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल, श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन पर यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज तपोवन एवं मुनिकीरेती में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।
आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल, श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन तथा पुलिस उपाधीक्षक यातायात के पर्यवेक्षण में टिहरी यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज तपोवन एवं तपोवन, मुनिकीरेती में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहाँ एक ओर चार धाम यात्रा एवं वीकेंड के दौरान मुनिकीरेती क्षेत्र में बढ़ते पर्यटक एवं वाहनों के दबाव को देखते हुए टिहरी यातायात पुलिस एवं थाना मुनि की रेती पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहकर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर आमजन एवं युवा पीढ़ी को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार जन-जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में चलाए गए जागरूकता कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस टिहरी द्वारा 280 छात्र-छात्राओं एवं 15 शिक्षकगणों को यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में जागरूक किया गया। छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगणों को ट्रैफिक



सिग्नल, ट्रैफिक साइन एवं सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। सड़क दुर्घटना के दौरान आमजन की भूमिका एवं कर्तव्यों के साथ-साथ गोल्डन आवर के महत्व के बारे में बताया गया। गुड समैरिटन स्कीम के संबंध में जानकारी देते हुए दुर्घटना पीड़ितों की सहायता के लिए आमजन को प्रोत्साहित किया गया। उत्तराखण्ड पुलिस एप एवं ट्रैफिक आई एप के उपयोग तथा यातायात संबंधी सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, सुरक्षित वाहन संचालन तथा यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय एवं कॉलेज के शिक्षकगणों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम की सराहना करते हुए टिहरी

यातायात पुलिस का आभार व्यक्त किया गया। टिहरी यातायात पुलिस और थाना मुनि की रेती द्वारा चार धाम यात्रा एवं वीकेंड के दौरान मुनिकीरेती क्षेत्र में भारी यातायात दबाव के बीच यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती कर पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस द्वारा जन-जन तक सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का संदेश पहुँचाने तथा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं।
टिहरी यातायात पुलिस सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गन्ने के खेत में घुसा मगरमच्छ, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

रुड़की(आरएनएस)। बहादुरपुर खादर में शुक्रवार रात गन्ने के खेत में मगरमच्छ दिखाई देने से लोगों में दहशत फैल गई।
वन विभाग की टीम ने काफी मशकत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया। टीम में उप वन क्षेत्राधिकारी रामनाथ, वनकर्मी भोपाल सिंह और गुरजंट सिंह शामिल रहे।
वन रेंजर महेंद्र गिरी ने बताया कि मगरमच्छ को रेस्क्यू कर सुरक्षित जल क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

डालूपुरी मजरे को स्वतंत्र राजस्व ग्राम बनाने का प्रस्ताव पारित

हरिद्वार(आरएनएस)। ग्राम पंचायत लालढांग की खुली बैठक में डालूपुरी मजरे को स्वतंत्र राजस्व ग्राम घोषित करने का प्रस्ताव बहुमत से पारित किया गया। पंचायत सदस्य आकाश कांत ने प्रस्ताव रखते हुए कहा कि डालूपुरी की आबादी करीब 11०० है, लेकिन राजस्व ग्राम का दर्जा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को कई सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है और विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। ग्राम पंचायत सचिव अनुज कुमार और ग्राम प्रधान सुनील सिंह बिष्ट की मौजूदगी में हुई बैठक में सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। ग्रामीणों ने डालूपुरी को स्वतंत्र राजस्व ग्राम का दर्जा दिलाने की मांग को जरूरी बताया। प्रस्ताव को आगे की कार्यवाई के लिए संबंधित स्तर पर भेजा जाएगा। बैठक में सदस्य शोभा देवी, दिनेश कुमार, सुरेश, अर्जुन, करम सिंह, अनिल, संजीव, योगेंद्र, परवीन, अजय, पंकज, आकाश, अश्विनी, नंदकिशोर, पोपिंदर, सोनाथ, राजन, तुलाराम, राजेश आदि मौजूद रहे।

पुराने आय-व्यय के हिसाब पर व्यापारियों का हंगामा

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। व्यापार सभा भवन में आयोजित व्यापारियों की बैठक पुराने आय-व्यय के हिसाब को लेकर हंगामेदार रही।
स्वकर, जीएसटी समेत व्यापारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाई गई बैठक में पुराने हिसाब-किताब का मुद्दा उठते ही कुछ व्यापारियों और पदाधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। विवाद बढ़ने पर हाथापाई की नौबत तक पहुँच गई। वरिष्ठ व्यापारियों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ और इसके बाद बैठक चली।
व्यापार सभा अध्यक्ष अनुज जोशी की अध्यक्षता में हुई बैठक में करीब 5०

व्यापारी शामिल हुए। बैठक के दौरान व्यापारियों ने पुराने कार्यकाल के आय-व्यय का हिसाब रखने की मांग की। इस पर जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने पुराना हिसाब-किताब व्यापारियों के सामने रखा। वर्ष 2०2० से संबंधित हिसाब भी प्रस्तुत किया गया।
हिसाब पर चर्चा के दौरान कुछ व्यापारी संतुष्ट नजर आए जबकि कुछ ने सवाल उठाए। इसी को लेकर कुछ देर तक बैठक में हंगामा हुआ और नोकझोंक हो गई। मामला शांत होने के बाद व्यापार सभा के बैंक खाते और संगठन की आगामी व्यवस्था पर चर्चा की गई। तय किया गया कि व्यापार सभा का बैंक खाता सोमवार

को नए पदाधिकारियों के नाम हस्तांतरित किया जाएगा। खाते से धन निकासी के लिए अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष तीनों के हस्ताक्षर होंगे। इसके साथ ही व्यापार सभा की आम बैठक नियमित रूप से कराने और पदाधिकारियों की अलग बैठक करने पर भी चर्चा हुई। बैठक के अंत में व्यापारियों ने आपसी मतभेद समाप्त कर संगठन हित में मिलकर काम करने की बात कही। बैठक में महासचिव छवि प्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पंकज नेगी, सूरज घिल्डियाल, विजय रावल, भूपेंद्र बिष्ट, महेंद्र सिंह बर्तवाल, अनुज नौटियाल, दीपक राजपूत, गोपाल डुडेजा, प्रवीण अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र. 63								
	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।

2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।

3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.62का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6



एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाले बॉक्सर ने मुख्यमंत्री से की भेंट

संवाददाता

खटीमा। एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाले कपिल पोखरिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नगला तराई, खटीमा स्थित उनके निजी आवास पर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर एवं उत्तराखण्ड के प्रतिभावान खिलाड़ी कपिल पोखरिया ने भेंट की। कपिल पोखरिया ने जापान में आयोजित एशियन गेम्स-2026 की पुरुष 90 किग्रा बॉक्सिंग स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक अपने नाम किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कपिल पोखरिया को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता ने उत्तराखण्ड के साथ पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हासिल की जा रही उपलब्धियां नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कपिल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं उत्तराखण्ड का नाम रोशन करते रहेंगे। इस अवसर पर कपिल पोखरिया ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

रावत की 'यात्रा' पर सैलजा की 'रोक'.. << पृष्ठ 2 का शेष

यात्रा जारी रहती है तो संगठन और वरिष्ठ नेतृत्व के बीच समन्वय का सवाल और गहरा सकता है। यदि कार्यक्रम को पार्टी के आधिकारिक अभियान के साथ जोड़ा जाता है तो विवाद का रास्ता भी निकल सकता है। फिलहाल इतना साफ है कि यात्रा ने कांग्रेस के भीतर सिर्फ जनसंवाद का मुद्दा नहीं उठाया है, बल्कि चुनावी वर्ष में संगठन, नेतृत्व और वरिष्ठ नेताओं के बीच अधिकार-समन्वय की बहस को फिर सामने ला दिया है।

उत्तराखंड कांग्रेस में 'भूचाल'.. << पृष्ठ 1 का शेष

की कोशिश के रूप में देखा गया था। उस समय रावत ने राज्य का दौरा कर 2017 और 2022 में कांग्रेस की हार के कारणों को जनता के बीच समझने की बात कही थी।

लेकिन अब जनसंवाद यात्रा को लेकर सैलजा की आपत्ति ने दिखा दिया है कि समन्वय का सवाल पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। खास बात यह है कि सितंबर में हरीश रावत ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी और कांग्रेस कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य के पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद उनकी सांगठनिक भूमिका और चुनावी सक्रियता का प्रश्न और महत्वपूर्ण हो गया है। कांग्रेस के सामने अब मूल सवाल हरीश रावत की भूमिका का है। क्या उन्हें वरिष्ठ मार्गदर्शक के रूप में चुनाव अभियान में इस्तेमाल किया जाएगा, क्या उन्हें किसी क्षेत्र विशेष की जिम्मेदारी दी जाएगी या वह खुद चुनावी मैदान में उतरेंगे। इन सवालों पर अभी तस्वीर साफ नहीं है।

दूसरी तरफ पार्टी के भीतर यह भी चर्चा है कि आगामी चुनाव में नई पीढ़ी और नए संगठनात्मक ढांचे को अधिक स्थान दिया जाए। ऐसे में रावत की सक्रियता और पार्टी की नई रणनीति के बीच संतुलन कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण विषय बन गया है। दिलचस्प यह है कि कुछ दिन पहले तक कांग्रेस के मंच पर सैलजा, गणेश गोदियाल और हरीश रावत एक साथ चुनावी मुद्दों पर सरकार को घेरते नजर आए। सितंबर में एसआईआर के विरोध में हुए प्रदर्शन में भी ये नेता साथ थे। लेकिन अब रावत की व्यक्तिगत यात्रा को लेकर संगठन की आपत्ति सामने आ गई है। रावत को दिल्ली बुलाए जाने के बाद यह मामला प्रदेश कांग्रेस की सीमा से निकलकर केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंच गया है। रिपोर्टों के अनुसार केसी वेणुगोपाल ने रावत से पार्टी की सामूहिक रणनीति के साथ मिलकर काम करने को कहा है। इस घटनाक्रम से एक बात स्पष्ट है कि 2027 के चुनाव से पहले कांग्रेस हरीश रावत की सक्रियता को नजरअंदाज करने की स्थिति में नहीं है। इसके साथ ही नेतृत्व यह भी चाहता है कि वरिष्ठ नेताओं की राजनीतिक गतिविधियां पार्टी के सामूहिक चुनावी अभियान के अनुरूप हों। अब आगे की राजनीति इस बात पर निर्भर करेगी कि रावत और कांग्रेस नेतृत्व के बीच समन्वय किस रूप में बनता है। यदि रावत की सक्रियता को पार्टी अभियान का हिस्सा बनाया जाता है तो यह नया समीकरण होगा। यदि उनकी राजनीतिक गतिविधियां संगठन से अलग राह पर चलती हैं तो कांग्रेस के भीतर नेतृत्व और संगठन के बीच खिंचाव का मुद्दा और गहरा सकता है। 2027 की चुनावी बिसात पर हरीश रावत की वापसी सिर्फ एक वरिष्ठ नेता की सक्रियता नहीं है। यह कांग्रेस के भीतर पुराने प्रभाव, नए संगठन और बदलती राजनीतिक पीढ़ी के बीच संतुलन की परीक्षा भी बनती जा रही है।

स्वस्थ बचपन और सशक्त मातृशक्ति, सशक्त उत्तराखंड की मजबूत नींव: मुख्यमंत्री धामी

संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को खटीमा के आंगनबाड़ी केंद्र गोसीकुआ भुड़ाई में आयोजित 'आंगन मिलन' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों, गर्भवती महिलाओं, माताओं तथा आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकत्रियों से आत्मीय संवाद कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर नन्हे-मुन्ने बच्चों को दुलार किया और उनसे बातचीत कर उनके मन की बात जानी। उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर आत्मीयता से समय बिताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोदभराई रस्म में प्रतिभाग कर गर्भवती महिलाओं को आशीर्वाद दिया तथा 10 गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार सामग्री की किट वितरित की। उन्होंने 10 लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट भी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने 05 नन्हे बच्चों का अपने हाथों से अन्नप्राशन संस्कार कराया। इस अवसर पर उन्होंने 09 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं 02 आशा कार्यकत्रियों को सम्मानित भी किया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सभी वर्गों के कल्याण और राष्ट्रहित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। कर्मयोगी एवं साधक के रूप में उनका कार्य, समर्पण और सेवा भाव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आंगन मिलन' कार्यक्रम सेवा, स्नेह और संवाद को प्रत्येक व्यक्ति और हर घर तक पहुंचाने का माध्यम है। प्रदेशभर में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों को पोषण उपलब्ध कराने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ भविष्य, संस्कार, प्रारंभिक शिक्षा और

सर्वांगीण विकास की नींव तैयार करने वाले महत्वपूर्ण केंद्र हैं।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सराहना करते हुए कहा कि वे बच्चों की देखभाल और पोषण के साथ-साथ सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य एवं पोषण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। महालक्ष्मी किट योजना, पोषण योजनाओं और मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना सहित अनेक योजनाओं के माध्यम से माताओं एवं बच्चों को आवश्यक सहायता एवं पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है।

तेज रफ्तार बस का कहर, ऑटो चालक का हाथ कटा, 4 कारें भी हुई क्षतिग्रस्त

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में आज सुबह एक तेज रफ्तार निजी बस बेकाबू हो गई। दुर्गा चौक के पास बस ने पहले एक ऑटो को टक्कर मारी और इसके बाद सड़क किनारे खड़ी चार कारों को भी चपेट में ले लिया। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उसका हाथ कटकर अलग हो गया। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए जौलीग्रांट हायर सेंटर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब साढ़े छह बजे एक निजी बस दुर्गा

चौक की ओर से गुजर रही थी। बताया जा रहा है कि बस फैंक्ट्री कर्मचारियों को लेने जा रही थी। इसी दौरान दुर्गा चौक के पास बस अनियंत्रित हो गई और सबसे पहले एक ऑटो को टक्कर मार दी। इसके बाद चालक बस को नियंत्रित नहीं कर पाया और बस सड़क किनारे खड़ी चार कारों से जा टकराई।

हादसे में ऑटो चालक त्रिलोक सिंह गुसाई, निवासी सुभाष नगर ज्वालापुर, गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, बस की टक्कर से उनका हाथ कटकर अलग हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों

ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जौलीग्रांट हायर सेंटर रेफर कर दिया। हादसे के दौरान बस की चपेट में आने से एक कुत्ते की भी मौत हो गई। दुर्घटना एक निजी अस्पताल के बाहर हुई।

गनीमत रही कि हादसे के समय अस्पताल के बाहर मरीजों और तीमारदारों की ज्यादा भीड़ नहीं थी, अन्यथा स्थिति और गंभीर हो सकती थी। बस की टक्कर से एक ऑटो और चार कारों को नुकसान पहुंचा है। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने बस चालक को हिरासत में लेकर बस को कब्जे में ले लिया है।

श्री कृष्णायन देसी गोरक्षा शाला, गैडी खाता, हरिद्वार में किया गया वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

संवाददाता

देहरादून। क्लीन एंड ग्रीन एन्वायरमेंट सोसायटी द्वारा इस मानसून सत्र का 12वां वृक्षारोपण अभियान श्री कृष्णायन देशी गोशाला, गैडीखाता, हरिद्वार में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष लगाए गए, जिनमें आम, बांस, आंवला, गुलमोहर, जामुन, बेलपत्र, पीपल, पिलखान, शहतूत इत्यादि के वृक्ष शामिल किए गए।

श्रीकृष्णायन गोशाला के छोटे महाराज श्री आत्मानंद जी ने समिति के अध्यक्ष राम कपूर से निवेदन किया कि इस वर्ष 2026 में गौ माता की सेवा के लिए कुछ वृक्ष लगाए जाएं। समिति द्वारा महाराज जी के निवेदन को स्वीकार करते हुए श्री कृष्णायन गोशाला गैडीखाता, हरिद्वार में 400 से अधिक वृक्षों का रोपण किया



गया। गोशाला के महाराज जी श्री आत्मानंद बाबा जी एवं उनके अन्य साथियों ने समिति के कार्यों की सराहना की और उन्हें भविष्य में और अधिक पर्यावरण की रक्षा और वृक्षारोपण किए जाने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व पशुपालन मंत्री प्रीतम पंवार तथा पृथ्वीराज चौहान ने भी समिति के साथ मिलकर

वृक्षारोपण किया। प्रीतम पंवार द्वारा समिति द्वारा किये जा रहे लगातार वृक्षारोपण कार्यक्रमों कि भरसक प्रशंसा की। इस वृक्षारोपण अभियान में समिति के अध्यक्ष राम कपूर, कोषाध्यक्ष शंभू शुक्ला, दीपक सिंह, राजेश रावत तथा आश्रम के छोटे महाराज आत्मानंद बाबा, स्वामी उपेंद्रानंद, स्वामी अमृतानंद, स्वामी अनंतानंद तथा समस्त गोशाला कर्मचारी उपस्थित रहे।

धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

संवाददाता

नानकमत्ता। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब परिसर में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में प्रतिभाग कर श्रमदान किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में मत्था टेक प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री को सरोपा एवं स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के साथ ही अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है और यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक आते हैं। ऐसे में धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के साथ ही बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के



जनसेवा के प्रति समर्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सेवा, स्वच्छता और जनभागीदारी की भावना को नई मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री

◆सेवा संकल्प अभियान के तहत नानकमत्ता पहुंचे मुख्यमंत्री धामी, स्वच्छता अभियान में किया श्रमदान

के जन्मदिवस 17 सितम्बर से प्रदेश में प्रारंभ 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत सेवा, जनभागीदारी, संवाद और नवाचार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता किसी

एक अभियान या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसे निरंतर जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक नागरिक को अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने में योगदान देना चाहिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुर्ना, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार जोगेंद्र सिंह, महासचिव सरदार अमरजीत सिंह बोपराय, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी सहित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बहन की डांट से नाराज छात्रा ने की आत्महत्या

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नगर कोतवाली क्षेत्र में 17 वर्षीय 11वीं कक्षा की छात्रा की मौत से परिवार में मातम पसर गया। बताया जा रहा है कि पढ़ाई को लेकर बड़ी बहन की डांट के बाद छात्रा घर से बाहर चली गई थी। कुछ देर बाद उसके फ्लाईओवर से गिरने की सूचना मिली। गंभीर हालत में उसे 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार छात्रा पांच बहनों में दूसरे नंबर की थी और अपनी मां के साथ रहती थी। उसके पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। बताया जा रहा है कि

शनिवार रात बड़ी बहन ने उसे पढ़ाई को लेकर डांटा था। इसके बाद छात्रा घर से बाहर चली गई। कुछ



समय बाद उसके फ्लाईओवर से गिरने की जानकारी सामने आई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल छात्रा को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। छात्रा की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया।

चोरों ने किन्नर के घर से उड़ाया 51 तोला सोना और 12 लाख कैश!

संवाददाता

नई दिल्ली। राजस्थान में एक किन्नर के घर बड़ी लूट हुई है। मामला हनुमानगढ़ जिले के धोलीपाल गांव का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दो चोरों ने किन्नर चन्नी बाई के घर में घुसकर लाखों रुपये की चोरी को अंजाम दिया। चोरी की ये घटना तब हुई, जब घर में कोई मौजूद नहीं था। चोर करीब 55 तोला सोना और 12 लाख नकदी चुगकर ले गए। इतना ही नहीं उन्होंने घर के बाहर खड़ी तीन गाड़ियों में आग को हवाले कर दिया। शुरुआती जांच में पुलिस की ओर से इस चोरी की घटना के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका व्यक्त की जा रही है। आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एसएफएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। आरोपी घर में रखे सामान और परिवार की गैरमौजूदगी के बारे में पहले से जानते थे या नहीं, इस बारे में पता लगाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इस वारदात में किसी परिचित की भूमिका तो नहीं है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। वारदात के समय चन्नी बाई और परिवार के अन्य लोग घर पर नहीं थे।



बागेश्वर धाम पर अकेले ना आये महिलाएं: धीरेन्द्र शास्त्री

संवाददाता

नई दिल्ली। वृन्दावन में हुई घटनाओं और अन्य कई धामों में हुई घटनाओं को देखते हुए बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र शास्त्री ने सुरक्षा और धाम के सम्मान को लेकर वहां आने वाले श्रद्धालुओं से एक बड़ी अपील की है, उन्होंने महिलाओं से धाम पर अकेले नहीं आने की अपील की है, शास्त्री ने कहा महिलाएं यदि अकेले आती भी हैं तो किसी भी व्यक्ति पर भरोसा ना करें, अंजान पर भी नहीं यहाँ के सेवादारों पर भी नहीं, उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि महिलाएं को धाम पर ज्यादा दिन तक ना रुकें क्योंकि इस समय सनातन पर चरों तरफ से हमले हो रहे हैं, बहुत से लोग सनातन के पीछे पड़े हैं, हमारे पीछे पड़े हैं, धाम के पीछे पड़े हैं वो कुछ न कुछ



उपद्रव करते रहते हैं।

धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा इसलिए मैं कह रहा हूँ कि पूरे धाम की हमारी जिम्मेदारी नहीं है, हम हॉल और मंदिर की जिम्मेदारी ले सकते हैं लेकिन 5 किलोमीटर में फैले बागेश्वर धाम परिसर की जिम्मेदारी नहीं ले सकते, आप अपनी सुरक्षा खुद करें, धाम आपकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार नहीं है, उन्होंने कहा हम ये इसलिए कह रहे हैं कि आये दिन किसी ने किसी धाम, आश्रम के बारे में बातें सुनाई दे रही हैं,

आये दिन कलंक लग रहे हैं अभी वृन्दावन में भी हो गया है इसलिए मेरा निवेदन स्वीकार करें।

उन्होंने कहा समाज और समय बहुत गन्दा है, हमें तो कई बारे ये लगता है कि आज के जमाने में भारत में बेटियां होना पाप जैसा हो गया है, स्त्री होना घातक जैसा हो गया है जिसकी देखो नजर गन्दी। उन्होंने कहा बेटियां कहीं सुरक्षित नहीं हैं ना घर में हैं ना बाहर इतना विपरीत समय आ गया है, इसलिए आप खुद समझदार बनें, औरों को भी जगाएं, हम ये इसलिए कह रहे हैं क्योंकि यदि कल के दिन यदि कुछ हो जाये तो पूरा देश हमारे पीछे पड़ जायेगा, इसलिए आप लोग स्वयं सतर्क रहें, सजग रहें और सावधान रहें धाम को कोई जवाबदारी नहीं है।

होमगार्ड पर धरदार हथियार से हमला, कटा अंगूठा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर के हरिलोक तिराहे पर कार को पीछे से टक्कर मारने के बाद भाग रहे एक युवक ने पीछा कर रहे होमगार्ड पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। बहादुराबाद क्षेत्र में ख्याति ढाबे के पास आरोपी ने होमगार्ड संजीव कुमार की गर्दन पर वार करने की कोशिश की। जान बचाने के लिए होमगार्ड ने हाथ आगे कर दिया, जिससे उसके दाहिने हाथ का अंगूठा कट गया। घायल होमगार्ड को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके अंगूठे में पांच टांके लगाए गए।

घटना के बाद आरोपी अपनी कार छोड़कर पास के गन्ने के खेत में घुस

गया और फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की कार कब्जे में लेकर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज हरिद्वार से रुड़की की ओर जा रही एक कार ने ज्वालापुर क्षेत्र के हरिलोक तिराहे पर आगे चल रही दूसरी कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक मौके से भागने लगा। तिराहे पर ड्यूटी कर रहे होमगार्ड संजीव कुमार और कृष्णपाल ने कार का पीछा किया और घटना की सूचना पुलिस को 112 के माध्यम से दी। पीछा करते हुए दोनों होमगार्ड बहादुराबाद क्षेत्र में हाईवे पर ख्याति ढाबे के पास पहुंचे। इसी दौरान आरोपी की कार अनियंत्रित होकर

डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार के दोनों अगले पहिए फट गए। इसके बाद युवक कार से उतरकर पैदल भागने लगा। होमगार्ड संजीव कुमार ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की। आरोप है कि इसी दौरान युवक ने कार से धारदार हथियार निकाला और संजीव की गर्दन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से बचने के लिए संजीव ने अपना हाथ आगे कर दिया। हथियार की चपेट में आने से उनके दाहिने हाथ का अंगूठा कट गया। हमले के बाद आरोपी हथियार लहराते हुए पास के गन्ने के खेत में घुस गया। आसपास मौजूद लोगों के जुटने के बावजूद वह खेत के रास्ते फरार होने में कामयाब रहा। कुछ लोगों ने घटना के

दौरान आरोपी का वीडियो भी बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल होमगार्ड को जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उपचार के दौरान उसके अंगूठे में पांच टांके लगाए। पुलिस ने आरोपी की कार को कब्जे में ले लिया है। आरोपी की तलाश में आसपास के इलाके में काबिंग भी की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। सीओ संजय चौहान ने बताया कि होमगार्ड संजीव कुमार की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिसकी तलाश जारी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्रियों के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।